खास-खबरें

भोपाल ने राजगढ़ को 103 रन के अंतर से हराया

सीहोर। भोपाल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में शहर के बीएसआई मैदान पर खेली जा रही अंडर-15 इंटर-डिस्ट्रीक प्रतियोगिता के पांचवें दिवस भोपाल ब्लू ने राजगढ़ को एक तरफा मुकाबले में 103 रन के विशाल अंतर से हराया। इस मैच में हरफनमौला खिलाड़ी दिशांत पाटीदार ने 30 गेंद पर 22 रन और पांच विकेट का दोहरा प्रदर्शन किया था। इस मौके पर सीनियर खिलाड़ी घनश्याम पाटीदार ने यहां पर मौजूद खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि बुधवार को सुबह टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और निर्धारित 40 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाए। इसमें ग्रंथ प्रजापति ने 87 गेंद पर 51 रन की शानदार पारी खेली वहीं दिशांत पाटीदार 30 गेंद पर 22 रन, सजन सलमानी ने 20 रन बनाए थे।

413 दिव्यांगों का हुआ परीक्षण

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले के सभी दिव्यांगों को प्रमाण पत्र सुगमता से प्राप्त हो सके इसके लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है । इसी कड़ी में लटेरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शिविर संपन्न हुआ, जिसमें मेडिकल बोर्ड द्वारा 413 दिव्यांगों का परीक्षण किया जाकर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को पूरा किया गया। खण्ड स्तर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा समन्वय कर दिव्यांगों के प्रमाण पत्र बनवाए जा रहे है। आगामी शिविर जनपद पंचायत नटेरन अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र पिपलधार में 27 नवंबर को मेडिकल बोर्ड की उपस्थित आयोजित किया गया है, जिसमें दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे।

विदिशा में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा एसडीएम को निर्देश दिए है कि विदिशा नगर के अन्दर सायं छह बजे से रात्रि नौ बजे तक यातायात विभिन्न कारणो से प्रभावित होता है उन कारणो को संज्ञान में लेते हुए निदान सुनिश्चित करें। शहर के वैवाहिक गार्डनों, मांगलिक भवनों में वैवाहिक समारोह, विषेष रूप से बारात के दौरान मुख्य सडको पर यातायात प्रभावित होता है। वैवाहिक, मांगलिक गार्डनो के संचालको की बैठक आयोजित कर उनके द्वारा पार्किंग स्थल के लिए चिहांकित स्थलों पर ही वाहन पार्किंग कराने के निर्देष दिए गए हैं।

मेहंदीपुरा बालाजी की तर्ज पर बनाया जा रहा बस स्टैंड पर हनुमान मंदिर

सीहोर।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर भगवान हनुमान हिंदू देवता जिन्हें संकट मोचन माना जाता इसी का रूप अब करोड़ों रुपए की लागत से शहर के बस स्टैंड पर श्री सिद्ध हनुमान मंदिर प्रसिद्ध होने जा रहा है। करीब तीन करोड़ से बनाए जाने वाले हनुमान मंदिर में 2025 में राजस्थान से लाखों रुपए से मंगाई गई जहां पर हनुमान जी के साथ ही भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और जानकी की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर देश भर के प्रसिद्ध संतों का समागम होगा।

मंदिर समिति की बैठक तीन दिन बाद मंदिर में समिति के संरक्षक श्री-श्री 108 पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। बैठक में समिति के

अध्यक्ष समाजसेवी रुद्रप्रकाश राठौर, मंदिर के पुजारी अनिल शास्त्री सहित बड़ी संख्या में सहयोग करने वालों के अलावा क्षेत्रवासी शामिल होंगे।

बुधवार को राजस्थान के जयपुर से भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और जानकी के अलावा हनुमान जी की विशेष मूर्तियों को लाया गया था। इस मौके पर बड़ी संख्या में मूर्तियों के आगमन पर श्रद्धालुओं ने जोरदार आतिशबाजी कर हर्ष मनाया। श्री कटारे ने बताया कि शहर के बस स्टैंड पर श्री सिद्ध हनुमान मंदिर करीब साठ वर्ष पूर्व ब्रह्मलीन सूरदास मनोहर दास के द्वारा निर्मित किया गया था, लेकिन अब इसका जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। करीब दो करोड़ रुपए अब तक निर्माण कार्य में व्यय हो गए है और प्राण-प्रतिष्ठा सहित अन्य कार्यक्रमों में एक करोड़ रुपए का खर्च आना शेष है। यह मंदिर सनातन धर्मियों के सहयोग से किया जा रहा है। सभी समाजसेवियों ने राशि देकर इस निर्माणाधीन मंदिर में सहयोग किया है।

जिसका भी जन्म हुआ है उसकी मृत्यु भी होगी: पंडित श्री कटारे बाबा ने कहा कि जिसका भी जन्म हुआ है उसकी मृत्यु भी होगी ही। जन्म और मृत्यु के बीच जो महत्वपूर्ण घटना घटती है वह है जीवन। अधिकतर लोग जान ही नहीं पाते कि जीवन को जीवन बनाया कैसे जाए, वो जन्म और मृत्यु को ही जीवन का हिस्सा समझ लेते हैं। जीते तो पशु भी हैं लेकिन, जीवन को जानने की संभावना ईश्वर ने सिर्फ मनुष्य को दी है। जन्म-मृत्यु के बीच में जीवन कैसा तैयार किया जाता है, इसका जीता-जागता उदाहरण है हनुमानजी। जिस-जिस धर्म में जो-जो भी संदेश हैं वे समूचे व्यक्तित्व यानी हनुमानजी में उतरे हैं।

मुख्यमंत्री उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं शा. चिकित्सा महाविद्यालय का करेंगे भूमि-पूजन

उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को उज्जैन में मध्यप्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमि-पूजन करेंगे। चिकित्सा महाविद्यालय 550 बेड की क्षमता वाला होगा। इसमें 150 मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जायेगी। लगातार 24 घंटे आपातकाल सेवा देने वाले इस अस्पताल में जनरल और सुपर स्पेशिएलिटी ओपीडी भी होंगे।

मेडिसिटी में सुपर स्पेशिएलिटी एवं मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर, फार्मेसी, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, विभिन्न उपचार हेतु वेलनेस केन्द्र, आयुष अस्पताल, पैरामेडिकल कॉलेज, एकीकृत एवं समग्र स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा, इको-फ्रेंडली इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ाने की सुविधाएं होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चिकित्सा महाविद्यालय के भूमिपूजन के बाद टॉवर चौक पर भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि आज दोपहर 2:00 बजे सामाजिक न्याय परिसर में उज्जैन में बनने जा रहे मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण का भूमि पूजन होना है।जिला प्रशासन ने इस पल को यादगार बनाने के लिए बड़े प्रबंध किए हैं। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह स्वयं व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों की न सिर्फ टीम बनाई है बल्कि एक-एक पल की जानकारी भी ले रहे हैं। सामाजिक न्याय परिसर और भूमि पूजन स्थल का दौरा करने के बाद संबंधितों को निर्देश दिए। बताया गया कि मंच का आकार क्या रहेगा। बुधवार की सुबह से ही वे व्यवस्थाओं की लगातार मॉनीटरिंग कर रहे थे।

37 हजार वर्ग फीट पंडाल में 5 हजार कुर्सियां: सामाजिक न्याय परिसर में आज दोपहर 2 बजे होने वाली सभा में शामिल होने वाले लोगों के लिए पांच हजार कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। परिसर की सभी दीवारों को पुतवा दिया गया है। सफेद रंग के चालीस सोफे मंगवाए गए हैं। सभी सोफो का रंग और आकार एक समान है। 375 फीट लंबा और 100 फीट चौड़ा विशाल डोम बनाया गया है। इसके आगे 60 फीट की डी बनाई गई है। रेंप की व्यवस्था भी की गई है। भोपाल से एलईडी की व्यवस्था की गई है। संबंधित एजेंसी मंगलवार की रात ही अपना सामान लेकर आ चुकी थी। मंच पर दो और परिसर में चार एलईडी लगाने की रुपरेखा तैयार की गई है।

विद्यार्थी प्रस्तुत करेंगे धन्वतरि गान: पुराने शिशु वार्ड और साइकिल स्टैंड की भूमि को खाली कराया गया है। यहीं पर भूमि पूजन होगा। भगवान धन्वंतरि का पूजन होगा। धन्वंतरि कॉलेज के विद्यार्थियों को ड्रेस कोड में बुलाया गया है। पूजन के समय पर धन्वंतरि गायन करेंगे। यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। लिस्ट में शामिल लोगों को भूमि पूजन स्थल पर रहने दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 15 मिनट का रहेगा।

चामुंडा चौराहे से आयोजन स्थल तक सजावट: चामुंडा चौराहे से लेकर सामाजिक न्याय परिसर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशाल कट आउट लगाए गए हैं। इसमें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लगभग तीन दर्जन कट आउट लगाए गए हैं। इसके अलावा शहर के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने भी बड़े होर्डिंग तैयार किए हैं। इन्हें लगाने के लिए होड़ लगी हुई है।

सीहोर नगर पालिका के एई पर कार्रवाई में देरी: लोकायुक्त ने रंगे हाथ रिश्वत लेते पकड़ा था, अब निलंबन का इंतजार

सीहोर। सीहोर नगर पालिका के अतिक्रमण प्रभारी एई रमेश वर्मा को लोकायुक्त पुलिस ने घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था, लेकिन एक सप्ताह बाद भी शासन स्तर पर उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

दरअसल 11 नवंबर को लोकायुक्त पुलिस ने सीहोर नगर पालिका में एक छापेमारी की थी। शिकायतकर्ता सुरेश दांगी ने लोकायुक्त से शिकायत की थी कि एई रमेश वर्मा ने प्लॉट पर मकान निर्माण की अनुमति देने के बदले 70 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। जांच में ये पाया गया कि वर्मा ने अपने सहयोगी आर्किटेक्ट अंशुल जैन के माध्यम से 20 हजार रुपए की रिश्वत ली। लोकायुक्त टीम ने इस पर कार्रवाई करते हुए दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

ये है मामला: शहर के लुनिया चौराहा निवासी शिकायतकर्ता सुरेश दांगी अपने निजी प्लॉट पर मकान निर्माण के लिए अनुमति चाहते थे। उन्होंने दावा किया कि उनके पास सभी आवश्यक दस्तावेज, जैसे रजिस्ट्री, नामांतरण और डायवर्जन मौजूद थे। इसके

बावजूद अनुमति के लिए रिश्वत मांगी जा रही थी। इसकी शिकायत आवेदक ने भोपाल लोकायुक्त एसपी से थी। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की जांच के बाद सुरेश दांगी को 20 हजार रुपए के नोट दिए। इन नोटों को सुरेश ने एई के सहयोगी को सौंपा, जिसे झोले में रखकर वो चलता बना। टीम ने देखा और तुरंत एई वर्मा के कैबिन में जा पहुंची।

विजय कोरी को सौंपा एई का प्रभार: लोकायुक्त की कार्रवाई में एई वर्मा के ऑफिस को सील कर दिया गया और विजय कोरी को एई का प्रभार सौंपा गया। हालांकि अभी तक वर्मा पर शासन स्तर पर कोई निलंबन या कार्रवाई नहीं की गई है।

निर्देश अनुसार होगी कार्रवाई: नपा सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित ने कहा कि लोकायुक्त की कार्रवाई के बारे में शासन को सूचित कर दिया गया है। शासन से जो निर्देश मिलेंगे, उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला बनाने की मांग को लेकर अभिभाषकों ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा।

बासोदा को जिला बनाने की मांग अब जोर पकड़ती जा रही है। ज्ञापनों के साथ अब आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार हो रही है बुधवार को अभिभाषक अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह चौहान के साथ तहसील पहुंचकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, एवं परिसीमन आयोग के नाम सोंपा है।

अभिभाषक संघ के अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि जिला बनाने की मूवी में जहां भी जरूरत पड़ी तो अभिभाषक संघ हाईकोर्ट तक मामला ले जाएगा। क्योंकि भौगोलिक और क्षेत्रफल की स्थिति से गंजबासौदा जिले की हैसियत रखता है सर्वाधिक राजस्व की आय गंजबासौदा तहसील से ही सरकार को होती है। बासौदा जिला बनने के सभी मापदंडो को पूरा करता है। आधारभूत आवश्यकता मौजूद है प्रदेश की उच्च व विकसित अनाज मंडीयों मे से एक बासौदा में स्थित है। जो शासन को पर्याप्त राजस्व प्रदान करती है तथा देश के अधिकांश भागो को अन्न प्रदान करती है। पत्थर का उत्कृष्ट व्यवसाय है। यहां का पत्थर विदेशो तक में सप्लाय होता है जो विकसित मानसिकता को दर्शित करता है। आर्थिक व राजनैतिक राजधानी से जुडने वाले मेन रेल्वे ट्रेक पर स्थित है। देश के किसी भी राज्य से आम जन व विशिष्ट जन को बासौदा आने में कोई परेशानी नही है इसी के साथ सडक मार्ग भी उत्कृष्ट है जो बासौदा को देश के विभिन्न राज्यो से जोडता है। विगत वर्ष ही वृहद जिला स्तरीय नवीन न्यायालय स्थापित हुआ है। उक्त न्यायालय की बिल्डिंग जिला स्तर के न्यायिक अधिकारियो तथा अन्य कर्मचारियो के कार्य करने के लिये पर्याप्त है। उक्त बिल्डिंग में कुटुम्ब न्यायालय, जिला उपभोक्ता न्यायालय, एस टी एस सी से संबंधी विशिष्ट न्यायालय की स्थापना हेतू बिना किसी खर्च की व्यवस्था है।

यह कि पुराना न्यायालीन भवन खाली होने से तहसील कार्यालय के पास जिला कलेक्ट्रेट स्थापित करने हेतू पर्याप्त भूमि व बिल्डिंग मौजूद है। उक्त भवन के सामने ही रेस्ट हाउस से लगी हुई भूमि है तथा तहसील कार्यालय से लगी हुई पार्क की भूमि है ।उक्त भूमि पर पुलिस मुख्यालय स्थापित होने में कोई अडचन नही है। इसी के साथ साथ बासौदा की पुरानी मंडी में नवीन चिकित्सालय स्थापित हो रहा है जो कि जिले की आवश्यकताओ की पूर्ति करने हेतू पर्याप्त है। अभिभाषक संघ ने कहा है की आवश्यकता हुई तो संघ के सदस्य धरना प्रदर्शन आंदोलन के लिए भी तैयार है।

सहकारिता कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बने ज्योतिचंद

रायसेन। सहकारिता कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष का निर्वाचन आज सागर रोड स्थित एक होटल में किया। निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र दुवे के निर्देशानुसार सर्वसम्मति से फिर एक बार जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी ज्योतिचंद नामदेव को सौंपी है।

बताया जाता है कि निर्वाचन प्रकिृया के लिए रायसेन में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी करते हुए सर्व सम्मति से ज्योतिचंद नामदेव प्रबंधक सेवा सहकारी संस्था वनखेड़ी को जिम्मेदारी सोंपी गई। प्रदेश प्रतिनिधि के रूप में चैनपुर समिति के प्रबंधक बीरेन्द्र राजपूत को चुना गया है। वहीं डूमर समिति के प्रबंधक भास्कर शर्मा को कार्यवाहक अध्यक्ष एवं सीके पारे को संरक्षक की जिम्मेदारी सोंपी गई हैं। वहीं जिला कार्यकारिणी में पंकज श्रीवास्तव कैलाश तिवारी खेमराज धाकड़ नरेश राजपूत कुवंर सिंह दांगी को चुना गया है। ज्ञात हो कि सहकारिता कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी मिलने पर ज्योतिचंद नामदेव ने कहा कि जिस प्रकार से सदस्यों के द्वारा मुझपर जो विश्वास करते हुए 5 वी बार जिला अध्यक्ष की बागडोर सोंपी गई हैं सहकारिता कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर ज्योतिचंद नामदेव का स्वागत करने के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायसेन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनएन सिंह के द्वारा समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों को बुलाकर उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

रसूखदारों ने किया सड़क पर 40 फीट अवैध निर्माण, प्रशासन मौन, ग्रामीण परेशान

पीथमपुर।

सुहागपुर ग्रामीणक्षेत्र में रसूखदारों ने सड़क पर ही निर्माण कर लिया और रास्ता रोक दिया जिसकी शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, एसडीम शाश्वत शर्मा को की गई थी।

सुहागपुर के राधेश्याम पटेल रघुवंशी द्वारा अवेध निर्माण दीवाल का बनाया गया है। लिखित में ग्रामीण जनों ने हस्ताक्षर कर शिकायत की थी परंतु कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही। मजदूर एवं दलित परिवार के घरों में आने जाने का रास्ता रोका गया है।

भू अभिलेख विभाग धार भूमि भूमि सर्वे नंबर 8 का सीमांकन करने का सूचना पत्र

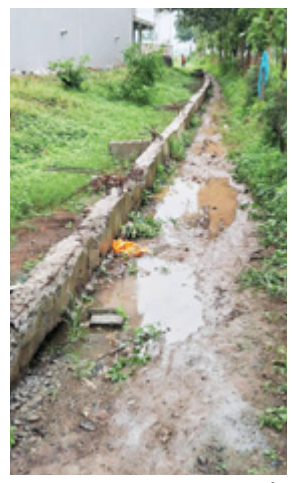

भी जारी किया गया था जिसके लिए 8 सदस्यों का दल भी गठित किया गया महेंद्र सिंह गोड़ रौनक गुप्ता मनोज वर्मा श्याम वर्मा पटवारी एवं कोटवार का दल गठित किया गया था। 27 सितंबर को सीमांकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना था ।परंतु कोई कार्रवाई आज तक नहीं हुई पंचनामा बनाया गया। शिकायत करता का कहना था कि जिस जगह की शिकायत की गई थी वहां का पंचनामा नहीं बनाया गया। रब्कबा नंबर 49 का मामला शिकायत में था परंतु आर आई रौनक गुप्ता ने शिकायत करता की बात नहीं मानी और मनमानी कर पंचनामा बना दिया।

पीतमपुर एसडीएम गुर्जर को पुन: शिकायत की गई है। पूरे प्रकरण में तहसीलदार की निष्क्रियता सामने आ रही है। विवाद और बढ़ने की संभावना है। समय रहते प्रशासन को दोनों पक्षों की बात सुनकर भू अभिलेख रिकॉर्ड के अनुसार अवैध निर्माण को हटाकर ग्रामीणों को रास्ता देना चाहिए। पूर्व में भी आंदोलन हो चुका है फिर आंदोलन की तैयारी है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त सर्वजन आयुर्वेदिक औषधालय का हुआ नवीन शुभारंभ

विदिशा (निप्र)। श्रीमंत सेठ षिताबराय लक्ष्मीचन्द्र जैन पारमार्थिक न्यास द्वारा संचालित शासन द्वारा मान्यता प्राप्त सर्वजन आयुर्वेदिक औषधालय का नवीन शुभारंभ संपन्न हुआ है। यह औषधालय स्थानीय माधवगंज स्थित जैन मंदिर परिसर में संचालित है और इसकी स्थापना वर्ष 1965 में हुई थी। बीच में कुछ अवरोधों के कारण इस औषधालय का संचालन बाधित हुआ, परिणामस्वरूप इसका नवीन शुभारंभ हुआ है। सेठ श्रीमंत राजेन्द्र जैन के स्वर्गवास होने के कारण इस औषधालय के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने से इसका संचालन बाधित होना समझा जाता है। इस औषधालय द्वारा मात्र 20 रू. का रजिस्ट्रेषन शुल्क लिया जाता है और तीन दिन की औषधि नि:षुल्क प्रदान की जाती है। वैद्य सत्यनारायण त्रिवेदी, जिन्हें 58 वर्ष का अनुभव है, प्रतिदिन प्रात: 9 से 11 बजे तक तथा अपराह्न में 4 से 5.30 बजे तक अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। शनिवार को अवकाष रहता है। वहीं, डॉ.जितेन्द्र शर्मा एमडी-आयुर्वेद पाचनतंत्र एवं मानसिक रोग विषेषज्ञ के रूप में प्रत्येक रविवार को प्रात: 10 से 12 बजे तक सेवाएं प्रदान करते हैं। इसी प्रकार डॉ.प्रीति चौपड़ा एमडी-आयुर्वेद भोपाल स्त्री रोग एवं पंचकर्म विषेषज्ञ भी प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को प्रात: 10 से 1 बजे तक सेवाएं प्रदान करती हैं।

न्याय की आस 11 महीने पहले चैरिटेबल अस्पताल में किया था गलत उपचार, बालिका को न्याय दिलाने के लिए परिवार के साथ सरपंच भी बैठेंगे आमरण अनशन पर

चिकित्सक की लापरवाही से दस साल की अर्पिता हुई अपाहिज

उज्जैन। करीब 11 महीने पहले घटिया तहसील के नईखेड़ी गांव निवासी सोहन कुशवाह की 10 वर्षीय पुत्री अर्पिता को पैर में मामूली चोट लगने पर चैरिटेबल अस्पताल के डॉक्टर आलोक सोनी ने गलत उपचार कर दिया था। इसके कारण आज बालिका का पैर सड़ गया है और कटने की कगार पर आ गया है। परिवार के लोग तभी से न्याय की गुहार लेकर शासन, प्रशासन और नेताओं के दर पर भटक रहे हैं। अभी तक न्याय नहीं मिलने पर उन्होंने आमरण अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है।

गांव तथा आसपास के सरपंचों ने भी पीड़ित परिवार के समर्थन में इस आंदोलन में साथ देने की घोषणा की है। बुधवार की शाम आयोजित पत्रकार वार्ता में पीड़ित बालिका के पिता सोहन कुशवाह और सिलोदा रावत के सरपंच अशोक जाट ने बताया कि घर में खेलते वक्त 10 वर्षी है मासूम बालिका अर्पिता को पैर में मामूली चोट लगी थी। परिवार के लोग 19 जनवरी 2023 को उसका उपचार करने उज्जैन चैरिटेबल हॉस्पिटल पहुंचे थे। यहां डॉक्टर आलोक सोनी ने बालिका का उपचार शुरू करने से पहले एक्सरे कराया था और पैर में फैक्चर नहीं होने के बावजूद पक्का पट्टा चढ़वा दिया था। इस कारण बालिका के पैर में मवाद पड़ गया था और वह सड़ने लगा था। इसकी जानकारी लगने के बाद परिवार के लोगों ने डॉक्टर सोने के खिलाफ उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। इसकी शिकायत परिजनों ने थाने से लेकर एसपी और कलेक्टर तक से की थी। इसके

बाद मामले में जांच के आदेश हुए थे और डॉ महेश मरमट और अन्य डॉक्टरों की पैनल ने डॉ आलोक सोनी को क्लीन चिट दे दी थी। दूसरी बार फिर जहाज टीम गठित की गई और उसकी रिपोर्ट में डॉक्टर आलोक सोनी द्वारा अर्पिता का इलाज करने और उपचार से पहले पैर में किसी तरह का संक्रमण नहीं होने का फैसला दिया था। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन ने डॉक्टर आलोक सोनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर परिजन जब डॉक्टर सोनी के क्लीनिक पर बालिका के उपचार में मदद करने की गुहार लेकर पहुंचे तो उल्टे उन पर ही पुलिस प्रकरण दर्ज कर दिया गया था। पीड़ित परिवार उसके बाद मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से भी मिला था। उन्होंने अर्पिता को उपचार के लिए 1लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि उसके बाद से परिवार के लोग परेशान हैं और तीन बार बालिका का ऑपरेशन करा उसका पैर कटने से बचने के लिए अभी तक लाखों रुपए खर्च कर चुके हैं। वही डॉक्टर महेश सोनी ने परिवार को आगे कार्रवाई करने पर देख लेने की धमकी दी है।

बालिका का फिलहाल भोपाल एम्स में उपचार चल रहा है। वहां के डॉक्टरों का कहना है डॉक्टर सोनी द्वारा कराए गए एक्स रे मैं फैक्चर नहीं है और ना ही बच्ची को उस वक्त पैर में किसी तरह का इंफेक्शन हुआ था। पिता सोहन और सरपंच अशोक जाट ने कहा कि एम्स के डॉक्टरों ने साफ कह दिया है कि अर्पिता का पैर ठीक होने के अब लगभग 10प्रश की चांस रह गए। ऐसे में बालिका का पैर कटता है तो उसका बाकी जीवन अपाहिज के रूप में गुजरेगा।

उन्होंने मांग की है कि या तो शासन प्रशासन अर्पिता के इलाज का पूरा खर्चा उठाएं और उसे सरकारी नौकरी दे ताकि वह भविष्य में आत्म निर्भर हो सके और डॉक्टर आलोक सोनी और डॉक्टर महेश मरमट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। अगर जल्द ही उक्त मांगे पूरी नहीं हुई तो अर्पिता का पूरा परिवार और सिलोदा रावत के सरपंच अशोक जाट सहित आसपास के गांव के अन्य सरपंच अर्पिता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर अनशन शुरू कर देंगे।